इंदिरा आवास : राशि खर्च करने में अव्वल, निर्माण में कई जिले फिसड्डी

परफॉर्मेंस का बदलेगा आधार

अब राशि खर्च करने में ही नहीं आवास निर्माण में भी लक्ष्य को हासिल करना होगा, बेहतर रिजल्ट वाले जिले 15 अगस्त होंगे पुरस्कृत

हिन्दुस्तान ब्यूरो

पटना

राज्य में इंदिरा आवास योजना में अब जिलों के परफार्मेंस का आधार बदलेगा। सिर्फ राशि खर्च करने से काम नहीं चलेगा। अब उन्हें आवास निर्माण में भी लक्ष्य को हासिल करना होगा। राज्य सरकार इन दोनों के आधार पर जिलों का परफार्मेंस तय करेगी। बेहतर रिजल्ट देने वाले जिलों को 15 अगस्त को पुरस्कृत किया जाएगा। मकसद यही है कि टार्गेट पूरा करने के नाम पर सिर्फ राशि खर्च न हो बल्कि आवास भी बनें।

ग्रामीण विकास विभाग ने इंदिरा आवास योजना की समीक्षा के दौरान यह पाया है कि कई जिले योजना की राशि खर्च करने में अव्वल हैं लेकिन आवास निर्माण में उन जिलों का परफार्मेंस बेहद खराब है।

मसलन वर्ष 2010-11 में जमुई जिले में इंदिरा आवास योजना के मद में कुल 2395.207 लाख रुपए उपलब्ध थे और नवंबर तक 2042.950 लाख रुपए खर्च कर जिले ने लक्ष्य का 85.29 प्रतिशत हासिल कर नंबर 1 का स्थान पा लिया। लेकिन आवास निर्माण के मामले में वह 27वें स्थान पर रहा।

इसके उलट राशि खर्च करने में सीतामढ़ी 8वें स्थान पर रहा लेकिन आवास निर्माण के मामले में उसने 46.77 प्रतिशत लक्ष्य हासिल कर नंबर 1 का स्थान पाया है।

इसी तरह राशि खर्च करने में भागलपुर दूसरे, नालंदा तीसरे, बक्सर चौथे और शिवहर पांचवें स्थान पर रहा। पर आवास निर्माण के मामले में भागलपुर 18वें, नालंदा 14 वें, बक्सर 11वें और शिवहर 16 वें स्थान पर रहा। ग्रामीण विकास विभाग ने अब जिलों की रैंकिंग की नई योजना बनाई है। टॉप रैंकिंग में अब वही जिले शामिल किए जाएंगे जो राशि खर्च करने के साथ-साथ आवास निर्माण में भी बेहतर प्रदर्शन करेंगे। रैंकिंग का यही मॉडल प्रखण्डों और पंचायतों में भी अपनाया जाएगा। ग्रामीण विकास मंत्री नीतीश मिश्र के अनुसार बेहतर रिजल्ट देने वाले जिलों, प्रखण्डों और पंचायतों को पुरस्कृत किया जाएगा।

खर्च करने वाले टॉप 5	निर्माण का हाल	रैंकिंग
1. जमुई	जमुई	27
2. भागलपुर	भागलपुर	18
3. नालंदा	नालंदा	14
4. बक्सर	बक्सर	11
5. शिवहर	शिवहर	16